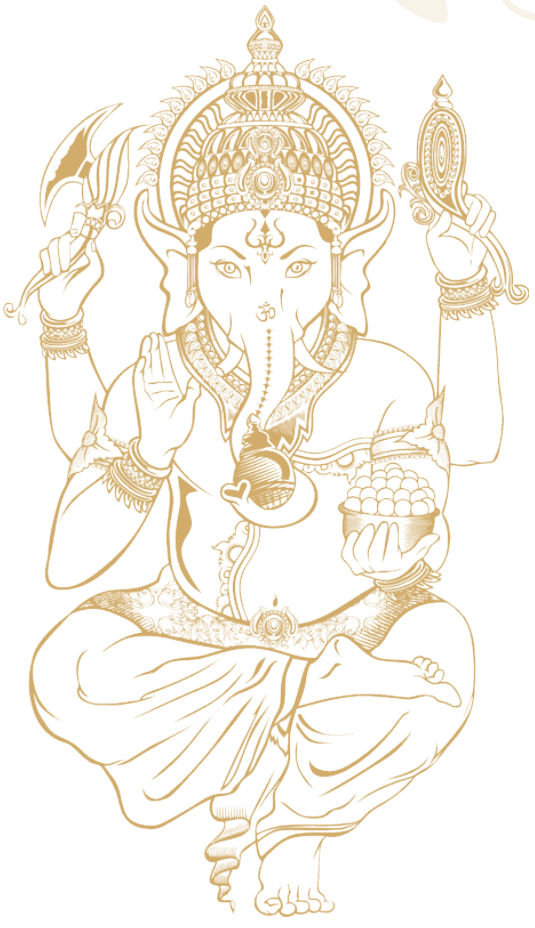

# Sachin Tickoo

Abc

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121259106

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 26/05/1996 | जन्म तिथि | 08/08/1998 |
| रविवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 15:30:00 | जन्म समय | 11:36:00 घंटे |
| घटी 25:10:22 | जन्म समय(घटी) | 14:27:37 घटी |
| India | देश | India |
| Jammu | स्थान | Jammu |
| 32:42:00 उत्तर | अक्षांश | 32:42:00 उत्तर |
| 74:52:00 पूर्व | रेखांश | 74:52:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:30:32 | स्थानिक संस्कार | -00:30:32 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:25:51 | सूर्योदय | 05:48:57 |
| 19:29:39 | सूर्यास्त | 19:22:52 |
| 23:48:28 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:50:08 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुक्र 8वर्ष 8मा 14दि | | 22:27:47 | कन्या | लग्न | तुला | 04:05:00 | मंगल 6वर्ष 8मा 29दि | |
| मंगल | | 11:37:23 | वृष | सूर्य | कर्क | 21:40:27 | गुरु | |
| 08/02/2021 | | 20:51:48 | सिंह | चंद्र | मक | 23:49:00 | 08/05/2023 | |
| 08/02/2028 | | 23:44:55 | मेष | मंगल | मिथु | 28:01:16 | 08/05/2039 | |
| मंगल | 07/07/2021 | 25:54:40 | मेष व | बुध व | सिंह | 01:37:33 | गुरु | 25/06/2025 |
| राहु | 25/07/2022 | 23:06:46 | धनु व | गुरु व | मीन | 03:29:51 | शनि | 06/01/2028 |
| गुरु | 01/07/2023 | 03:43:44 | मिथु व | शुक्र | मिथु | 29:54:25 | बुध | 13/04/2030 |
| शनि | 09/08/2024 | 11:17:56 | मीन | शनि | मेष | 09:44:35 | केतु | 20/03/2031 |
| बुध | 06/08/2025 | 22:05:51 | कन्या | राहु व | सिंह | 07:37:23 | शुक्र | 18/11/2033 |
| केतु | 02/01/2026 | 22:05:51 | मीन | केतु व | कुंभ | 07:37:23 | सूर्य | 06/09/2034 |
| शुक्र | 05/03/2027 | 10:38:59 | मक व | हर्ष व | मक | 16:44:00 | चन्द्र | 06/01/2036 |
| सूर्य | 10/07/2027 | 03:45:16 | मक व | नेप व | मक | 06:31:30 | मंगल | 12/12/2036 |
| चन्द्र | 08/02/2028 | 07:49:40 | वृश्चि व | प्लूटो व | वृश्चि | 11:28:42 | राहु | 08/05/2039 |

**लग्न-चलित**

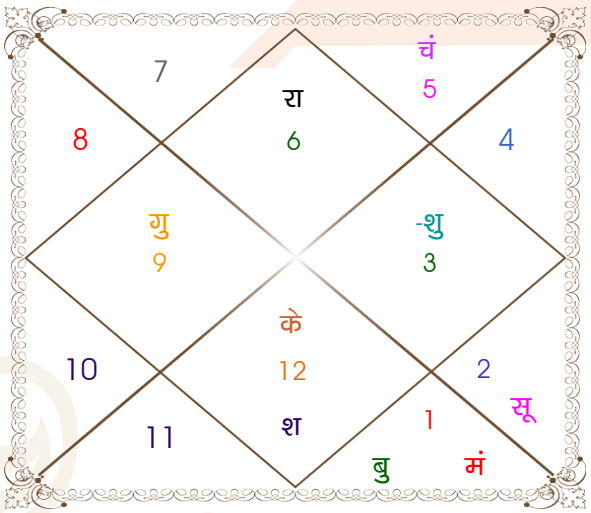


**लग्न-चलित**

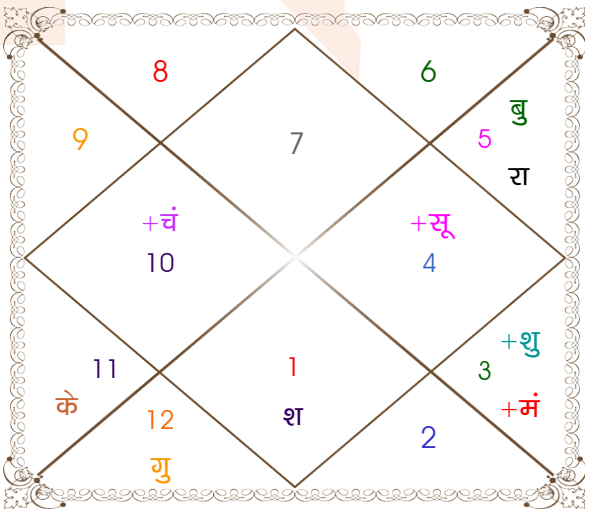

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | वैश्य | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | वध | क्षेम | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | सिंह | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | शनि | 5 | 0.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | मनुष्य | राक्षस | 6 | 0.00 | हाँ | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | मकर | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | मध्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 5.50 | | |

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ँबीपद ज्पबावव का वर्ग श्वान है तथा Abc का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारँबीपद ज्पबावव और Abc का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

ँबीपद ज्पबावव मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ँबीपद ज्पबावव कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Abc मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Abc कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैबीपद ज्पबावव तथा Abc में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।